ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.

नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-06-2025

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-06-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-06-18	2025-06-19	2025-06-20	2025-06-21	2025-06-22
वर्षा (मिमी)	6.0	2.0	0.0	8.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	27.0	30.0	31.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	20.0	20.0	19.0	18.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	88	82	86	91
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	68	62	66	71
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	2	1	2	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	72	72	135	112	135
क्लाउड कवर (ओक्टा)	6	5	2	7	8
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	भारी वर्षा; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहेगा। 17 और 18 जून, 2025 को जिले में अलग-अलग स्थानों पर हल्की वर्षा और 21 और 22 जून को मध्यम से भारी वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-31.0 डिग्री सेल्सियस और 18.0-20.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा में 1.1-3.9 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 62-91 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव करेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

18 से 21 जून, 2025 के दौरान जिले के कुछ एक स्थानों पर आंधी तूफान के साथ बिजली गिरने, तथा तेज हवाएं चलने की संभावना है। 20 और 21 जून, 2025 को जिले में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

तेज़ हवाओं के कारण सेब के बागों में फलों पर दाग और समय से पहले फल गिर सकते हैं। फलों की सतह पर दरारें पड़ने से फफूंद जनित रोगों का संक्रमण भी बढ़ सकता है। इसलिए गिरे हुए फलों को इकट्ठा कर मिट्टी से कम से कम 45 सेमी नीचे गड्ढों में दबा दें । किसानों को खुले मैदानों में जाने से बचें। ऊंचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। खेतों में जल जमाव से बचने हेतु उचित निकासी नालियों की व्यवस्था करें।

सामान्य सलाहकार:

गरज-चमक और बिजली गिरने की संभावना को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खुले खेतों में जाने से बचें तथा ऊँचे पेड़ों या अन्य ऊँची वस्तुओं से दूर रहें। सभी फसलों में सिंचाई कार्य को कुछ समय के लिए स्थगित करें। वर्षा जल के संचयन एवं संग्रहण की उचित व्यवस्था करें। खेतों में जल जमाव से बचने हेतु उचित निकासी नालियों की व्यवस्था करें। गरज-चमक एवं बिजली गिरने की स्थिति में पशुओं को बाहर न बांधें।

लघु संदेश सलाहकार:

स्थानीय भाषा में मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए MEGHDOOT ऐप का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खेतों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए उचित जल निकासी नालियाँ बनाएं।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बेर	यदि फल पूरी तरह पकने के करीब हैं तो किसानों को नुकसान कम करने के लिए तोड़ाई करने की सलाह दी जाती है। गिरे हुए फलों को इकट्ठा कर मिट्टी से कम से कम 45 सेमी नीचे गड्ढों में दबा दें ।
सेब	किसानों को सेब की फसल में स्कैब (झुलसा रोग) और अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट जैसे रोगों की निगरानी करें क्यूँकि नमी में वृद्धि के कारण रोगों का प्रकोप बढ़ सकता है। यदि पत्तों पर धब्बे दिखाई दें तो किसान साफ मौसम में संक्रमित बागानों में 10-12 दिनों के अंतराल पर हेक्साकोनाजोल 4% +

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	जिनेब 68% डब्ल्यूपी @ 500 ग्राम/200 लीटर पानी अथवा कार्बेन्डाजिम 25% + फ्लूसिलाजोल 12.5% एससी @ 160 मिली/200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। स्कैब रोग नियंत्रण के लिए फल विकास अवस्था में प्रोपाइनेब @ 600 ग्राम को 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
आम	आम के बागानों में यदि हॉपर (Mango Hopper) का प्रकोप दिखाई दे, तो उसके प्रबंधन के लिए साफ मौसम में 200 लीटर पानी में 50 मिलीलीटर इमिडाक्लोप्रिड मिलाकर छिड़काव करें।
अनार	किसान भाईयों को फसलों पर अनार तितली (Anar Butterfly) के प्रकोप की निगरानी करने की सलाह दी जाती है।
खीरा	किसानों को बेलों को सहारा देने और खेतों में उचित जल निकासी नालियाँ बनाने की सलाह दी जाती है।
टमाटर	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे टमाटर के पौधों को शुरुआती विकास चरण के दौरान सहारा दें ताकि पौधों में हवा का संचार बढ़े और फलों की पैदावार और गुणवत्ता दोनों में सुधार हो। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मिट्टी जनित बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए निचली पत्तियों को ज़मीन से 10-15 सेमी ऊपर से छिंटाई करें । खेत में उचित जल निकासी चैनल बनाएँ ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को कीट-प्रकोप नियंत्रण हेतु साफ मौसम में साप्ताहिक अंतराल पर अग्नास्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का 3.0 प्रतिशत घोल का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। इसके साथ ही जीवामृत का 10.0 प्रतिशत घोल का नियमित अंतराल पर छिड़काव करें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

ज़ हवाओं के कारण सेब के बागों में फलों पर दाग और समय से पहले फल गिर सकते हैं। फलों की सतह पर दरारें पड़ने से फफूंद जनित रोगों का संक्रमण भी बढ़ सकता है। भारी वर्षा से सब्जी की फसलों में जलभराव, जड़ सड़न तथा पौधें टूट सकते है ।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

गिरे हुए फलों को इकट्ठा कर मिट्टी से कम से कम 45 सेमी नीचे गड्ढों में दबा दें । किसानों को खुले मैदानों में जाने से बचें। ऊंचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। खेतों में जल जमाव से बचने हेतु उचित निकासी नालियों की व्यवस्था करें।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details